

चीन की अन्तिम चेतावनी के बारे में वक्तव्य
STATEMENT RE : CHINESE ULTIMATUM

अध्यक्ष महोदय : माननीय प्रधान मंत्री ।

Dr. Ram Manohar Lohia (Farrukhabad) : Mr. Speaker, Sir, I want to raise a point of order. After the Prime Minister has spoken more of us will be permitted to ask a question or speak. This is contrary to Article 105 of the constitution, Article 105 reads as follows :

“इस संविधान के उपबन्धों के तथा संसद की प्रक्रिया के विनियामक नियमों और स्थायी आदेशों के अधीन रहते हुए संसद में वाक्-स्वातन्त्र्य होगा” ।

The rule of the Rules of Procedure which you read out that day does not apply here, in the first place, because a rule which is repugnant to Article 105 is bad and secondly whenever we give Calling Attention Notices and the Ministers give their statement thereon, that Section cannot apply which you had read out. If our right of freedom of speech is taken away in this manner then this Lok Sabha has no meaning.

Mr. Speaker : He was going to make the statement not on the Calling Attention Notice, but of his own accord. As regards the freedom of speech, that is undoubtedly there, but it is regulated and not a free licence. His statement cannot be discussed now. Unless there is a motion to raise the discussion that cannot be raised.

प्रधान मंत्री तथा अणुशक्ति मंत्री (श्री लाल बहादूर शास्त्री) : मैं, कल पीकिंग में हमारे कार्यवाहक दूत को दिये गये एक और नोट को सभा पटल पर रखता हूँ । [पुस्तकालय में रखा गया । देखिये संख्या एल० टी० 4904/65 ।]

चीन ने जो उत्तर भेजा है उससे स्पष्ट है कि चीन पाकिस्तान के साथ मिल कर अपनी आक्रमणकारी कार्यवाहियों के लिये बहाना तलाश कर रहा है । हमारी राय में चीन ने अल्टीमेटम का समय इसलिये बढ़ाया है कि वह देखना चाहता है सुरक्षा परिषद में हुई बहस का क्या परिणाम निकलता है ।

चीनने अपने पत्रों में ऐसे आरोप लगाये हैं कि कोई भी सभ्य देश उनको लेकर लड़ने की नहीं ठानेगा । यदि चीन के क्षेत्र में कोई सैनिक प्रतिष्ठान थे तो उनको हटाने के लिये चीन सरकार को किसी ने रोका थोड़ा ही है । हमारे लिये उनको हटाना तो केवल उनके प्रदेश में जाकर ही संभव हो सकता है । इसी प्रकार कोई भी यह नहीं सोच सकता है कि कोई सरकार किसी दूसरी सरकार को इस बात पर डराये धमकायेगी कि उसके मवेशियों को ले जाया गया है या यह कि यहां पर हजारों तिब्बती शरणार्थियों में से दो चार को उनकी मर्जी के विरुद्ध रोका जा रहा है ।

चीन एशिया में अपनी धाक बैठाना चाहता है और कोई भी स्वाभिमानी देश इस चीज को मानने के लिये तैयार नहीं है । काश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और इस संबंध में हम चीन के इस दावे को नामंजूर करते हैं कि हमें वहां पर क्या करना चाहिये अथवा क्या नहीं करना चाहिये । हम छोटे मोटे मामलों पर मतभेदों को शांतिपूर्ण ढंग से दूर करने के लिये अब भी तैयार हैं । चीन के आक्रमक इरादे तो इसी बात से स्पष्ट है कि जहां चीनने अपने नोट में अल्टीमेटम की समय-सीमा 72 घंटे और बढ़ा दी है, वास्तव में वहां उसने सिक्किम और लद्दाख में हमारी सीमान्त चौकियों पर गोलाबारी शुरू कर दी है ।

यदि चीन हम पर आक्रमण करता है तो हम पूरी ताकत के साथ अपनी रक्षा करेंगे।

सुरक्षा परिषद में पास किये गये प्रस्ताव का पूरा पाठ हमें प्राप्त हो गया है और मैं कल उसपर वक्तव्य दूंगा।

श्री नाथ पाई (राजापुर) : श्रीमन् जी, प्रधान मंत्री ने कहा कि चीनियों ने सीमा पर गोलियां चलाना आरम्भ कर दिया है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या हम केवल विरोधपत्र भेज कर ही रह जायेंगे अथवा जवाब में गोलियां चलायेंगे।

श्री लाल बहादूर शास्त्री : हम मुकाबला करेंगे और लड़ेंगे।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय विधेयक—जारी

JAWAHARLAL NEHRU UNIVERSITY BILL—Contd.

Shri Sheo Narain (Bansi) : Mr. Speaker, Sir, I rise to support this Bill. Pandit Jawahar Lal Nehru enthused the people of this country with the spirit of service and sacrifice. Simple living and high thinking should be the guiding principle of this university.

In our country, universities like Taxila and Nalanda in the past have produced king like Chandragupta and diplomats like Chanakya. To-day we have ordinary universities in our country which are influenced by the Western civilization. This university should uphold the Indian Culture and give us men like Arjun and Abhimanyu.

Pandit Nehru was a noble soul. This university should become a model university and produce many Jawahar Lal Nehrus. We want that this university should inspire the people of India and the world at large.

The Hon. Member Shri Balmiki advocated for giving more opportunities to the poor. I want that this university should give free education to every body. There should be no discrimination between a Harijan, a Mohmedan, a Hindu and a Brahmin. All should be treated alike.

Pandit Nehru had once said that it is necessary for a student of Indian culture to study sanskrit literature. Sanskrit, should, therefore, be made a subject of compulsory study in this university. This will go a long way in solving our language problem.

श्री दी० चं० शर्मा (गुरुदासपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस विधेयक से संतुष्ट नहीं हूं। कहा जाता है कि इस विश्वविद्यालय में मानवविज्ञान, विज्ञान और टेक्नोलॉजी के विषयों पर शिक्षा दी जायेंगी।

यदि हम अमरीका, रूस और ब्रिटेन में शिक्षा को देखें तो हमें पता लगेगा कि वहां पर शिक्षा के क्षेत्र में काफी परिवर्तन आ गया है। वहां पर अब नीतिशास्त्र और धर्मशास्त्र के अध्यायन पर जोर दिया जाने लगा है। हमने शिक्षा के संबंध में जो धारणा बनाई है वह पूर्ण नहीं है।

इसलिये मेरा अनुरोध है कि शिक्षा के नैतिक आधार पर जोर दिया जाना चाहिये। जब तक ऐसा नहीं होगा हम अपने आप को तबाही से बचा नहीं सकते।